Nai Dunia (Indore), 1st June 2020, Page-5

18 जून से खुल जाएगा आइआइटी, छात्रों को पहले 14 दिन तक रहना होगा क्वारंटाइन

इंदौर (नईदुनिया रिपोर्टर)। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आइआइटी) इंदौर लॉकडाउन से धीरे-धीरे निकलने की तैयारी कर रहा है। लॉकडाउन खत्म होने के बाद संस्थान की क्या रणनीति होगी इसकी प्लानिंग बनाई जा रही है। आइआइटी 18 जून से सीमित रूप से काम करना शुरू कर देगा। विद्यार्थियों को भी कैंपस लौटने का संदेश भेजा गया है।

कैंपस में ही उन्हें 14 दिन तक क्वारंटाइन में रखा जाएगा। संस्थान ने कोविड-19 से बचाव के लिए टॉस्क फोर्स बनाया है। इसके तहत कक्षाओं, पुस्तकालय और स्वास्थ्य केंद्रों पर शारीरिक दूरी का ध्यान रखना है और रोजाना प्रोटोकॉल पर निगरानी रखना है। आइआइटी एक गेट से ही विद्यार्थियों और स्टाफ को प्रवेश देगा।

आइआइटी, इंदौर। ● फाइल फोटो

दूसरे गेट से सिर्फ सामान लाने ले जाने वाले वाहन ही प्रवेश कर सकेंगे। संस्थान में हर विद्यार्थी और स्टॉफ सदस्यों के मोबाइल में आरोग्य सेतु एप होना अनिवार्य होगा। मास्क लगाने और दो मीटर की शारीरिक दूरी के नियम का भी पालन कराया जाएगा।

संस्थान में ई-मीटिंग और ई-लेक्चर से ही फिलहाल पढ़ाई होगी। संस्थान ने अपने उन कर्मचारियों को घर से काम करने के लिए कहा है, जो रेड जोन क्षेत्र में रहते हैं। संस्थान का बायो साइंसेस विभाग इस समय अन्य आइआइटी के साथ मिलकर वायरस की वैक्सीन बनाने पर भी काम कर रहा है।

इसके साथ ही संस्थान ने अल्ट्रा वॉयलेट किरणों वाले उपकरण का भी ईजाद किया है। इससे मोबाइल और अन्य रोजमर्रा में उपयोग आने वाले सामान से वायरस की हटाया जा सकता है। इसका उपयोग खासकर योद्धाओं के निजी सामान को सुरक्षित रखने में किया जा सकता है। थ्रीडी मास्क भी संस्थान ने बनाया है।

खाने का मैन्यू बदला

आइआइटी इंदौर के मीडिया अधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि विद्यार्थियों ठहरने की विशेष व्यवस्था की गई है। इसके तहत विद्यार्थियों के कमरे अलग-अलग रहेंगे। विद्यार्थियों को रोजमर्रा की जरूरतें की चीजें कैंपस में ही मिलेगी। विद्यार्थी होस्टल से ही ऑनलाइन कक्षाओं में शामिल होंगे। खाने की व्यवस्था को भी बदला गया है। विद्यार्थियों की अलग-अलग बैच बनाई जाएगी।

भोजन व्यवस्था ऐसी होगी कि सभी छात्र खाने के दौरान दूर-दूर खड़े रहें। खाने के मैन्यू में भी बदलाव किया गया है। गर्म खाद्य प्रदार्थ शामिल किए जा रहे हैं। हैंडवॉश और सैनिटाइजर की सुविधा कई जगहों पर रहेगी।

वैक्सीन बनाने की प्रक्रिया में गति लाने बुला रहे छात्रों को

आइआइटी ने अपने पीएचडी करने वाले विद्यार्थियों को भी कैंपस में स्थानांतरित कर दिया है। इन्हें 14 दिन के क्वारंटाइन के बाद रिसर्च गतिविधि फिर से शुरू करने की अनुमति दी गई है। संस्थान के निर्देशक प्रो. निलेश कुमार जैन का कहना है कि लॉकडाउन खत्म होने के बाद हम किस तरह से विद्यार्थियों को रखेंगे और उन्हें पढ़ाएंगे इसे लेकर प्लान तैयार कर रहे हैं। पढ़ाई का कम से कम नुकसान हो और सभी को प्लेसमेंट से जॉब मिल जाए इसके लिए भी कोशिश कर रहे हैं। संस्थान ने अपनी महत्वपूर्ण अनुसंधान प्रक्रिया फिर से शुरू करने के लिए पीएचडी, एमटेक, एमएससी और एमएस कोर्स के विद्यार्थियों को जून के तीसरे सप्ताह में संस्थान में आने के लिए कहा है। इनके आने से कोविड-19 वैक्सीन बनाने में गति मिलेगी। हालांकि जो विद्यार्थी या स्टॉफ सदस्य रेड जोन में है वे घर से ही प्रक्रिया को जारी रख सकते हैं। संस्थान लॉकडाउन के पहले ही दिन से कैंपस में स्थित 200 से ज्यादा स्टॉफ जिसमें सुरक्षाकर्मी, हाउसकीपिंग और तकनीकी स्टॉफ के सदस्य है उनके लिए खाने, सैलरी और अन्य जरूरत की चीजों का इंतजाम कर रहा है।